सीएसआईआर-सीरी में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण एवं ई-टूल्स पर कार्यशाला का आयोजन

सीएसआईआर-सीरी में 8 जून, 2026 को नव नियुक्त कनिष्ठ सचिवालय सहायकों (JSAs), सहायक अनुभाग अधिकारियों (ASOs) तथा अन्य कर्मचारियों के लिए **"कंप्यूटर पर हिंदी टंकण एवं ई-टूल्स"** विषय पर लघु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को हिंदी में कार्यालयी कार्य करने हेतु प्रेरित करना तथा हिंदी कार्यान्वयन में उपयोगी डिजिटल साधनों एवं ई-टूल्स की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यशाला का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

कार्यशाला का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने प्रतिभागियों को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान (CHTI) द्वारा संचालित हिंदी टंकण एवं हिंदी भाषा पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के अनुमोदन से कंप्यूटर पर हिंदी टंकण (हिंदी वर्ड प्रोसेसिंग) पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए आगामी सत्र में 22 अभ्यर्थियों का पंजीकरण किया गया है तथा वर्तमान में संस्थान के 8 कर्मचारी वर्तमान में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रबोध एवं प्रवीण पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अभ्यर्थियों को देय विभिन्न प्रकार के वित्तीय प्रोत्साहन की जानकारी भी दी।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान में राजभाषा अधिनियमों एवं नियमों का अनुपालन सभी कार्मिकों का संवैधानिक दायित्व है, इसलिए हमें अपना अधिकाधिक कार्यालयी कार्य हिंदी में करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से अपनी मातृभाषा एवं राजभाषा हिंदी के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव रखते हुए **"घर में मातृभाषा, कार्यालय में राजभाषा"** का पालन करने का आग्रह किया।

प्रतिभागियों को ई-टूल्स की जानकारी देते हुए श्री रमेश बौरा

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागीगण

पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उन्होंने विभिन्न हिंदी ई-टूल्स के उपयोग की जानकारी दी तथा प्रतिभागियों को अपने दैनिक एवं नियमित कार्यालयी कार्यों के निष्पादन हेतु वॉइस टाइपिंग (स्पीच टू टेक्स्ट) सुविधा का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से हिंदी टंकण पाठ्यक्रम के प्रशिक्षुओं से नियमित रूप से हिंदी टंकण का अभ्यास प्रारंभ करने तथा कार्यालय समय में से प्रतिदिन कुछ समय इसके अभ्यास हेतु समर्पित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अपने कंप्यूटरों पर यूनिकोड सक्रिय करने के लिए एआईटीजी कार्मिकों की सहायता ली जा सकती है।

अंत में श्री बौरा ने कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।